



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 184]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 30, 1975/ज्येष्ठ 9, 1897

No. 184]

NEW DELHI, FRIDAY MAY 30, 1975/JYAISTHA 9, 1897

इस भाग में भिन्न वृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

ORDER

New Delhi, the 30th May 1975

S.O. 235(E)/18E/IDRA/75.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No S.O. 725(E)/18A/IDRA/72 dated the 25th November, 1972, issued under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government has authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, to take over the management of the industrial undertaking known as M/s. India Machinery Company Limited, Howrah (hereafter in this Order referred to as the said industrial undertaking) for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies, in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the said industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the Order under section 18A.

## THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the under- taking.
(1)	(2)
Section 166 . . . . .	Provision of this section shall not apply to the said industrial under- taking.
Section 169 . . . . .	Do.
Section 210(1) . . . . .	Do.
Section 212 . . . . .	Do.
Section 214 . . . . .	Do.
Section 217 . . . . .	Do.
Section 224 . . . . .	Do.
Section 225 . . . . .	Do.
Section 293 . . . . .	Do.
Section 294(2) . . . . .	Do.

[No. F.25/26/72-CUC]  
B. N. JAYASIMHA, Jt. Secy.

## उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 30 मई, 1975

क्र० पा० ३३(प्र)/४८ ई० ई० डी० ० १० ७५-यत्न उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 के अधीन जारी किए गए भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 725(ई)/18क/ (आई० डी० आर० ए०)/72 तारीख 25 नवम्बर, 1972 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इन्डस्ट्रियल रिकन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड को, मैसर्स इण्डिया मशीनरी कंपनी लिमिटेड, हावड़ा नामक उपक्रम औद्योगिक (जिसे इसमें इसके पश्चात इस आदेश में उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) का प्रबन्ध उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 18 ई की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची में उन अपवादों, निर्बन्धनों और सीमाओं का विनिर्दिष्ट करती है जिसके अध्वधीन कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त औद्योगिक उपक्रम को उसी रीति से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18 ई के अधीन आदेश के जारी किए जाने के पूर्व लागू होता था।

## अनुसूची

कम्पनी अधिनियम,  
1956 के उपबन्ध

अपवाद, निर्बन्धन और सीमाएँ जिनके अध्वधीन सतम्भ (1) में वर्णित उपबन्ध, उपक्रम को लागू होंगे।

1

2

धारा 166

इस धारा का उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होगा।

धारा 169

यथोक्त

धारा 210(1)

यथोक्त

धारा 212

यथोक्त

धारा 214

यथोक्त

धारा 217

यथोक्त

धारा 224

यथोक्त

धारा 225

यथोक्त

धारा 293

यथोक्त

धारा 294(2)

यथोक्त

[सं० फा० 25/26/72-सी० यू० सी०]

बी० एन० जयसिंह, संयुक्त सचिव।